



# भारत का दफ्तर

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]

लाई दिल्ली, सोमवार मई 6, 1991/वैशाख 16, 1913

No. 14]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 6, 1991/VAISAKHA 16, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के काप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक

विनियम—21 निम्नानुसार संशोधित:—

(कार्यिक विभाग)

(21) दिनांक 1-11-1987 को तथा उसके बाव से मंहगाई भत्ता योजना निम्नानुसार होगी:—

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 1991

(1) मंहगाई भत्ता अधिक भारतीय भीसत श्रमिक वर्ग उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (मामान्य) आधार 1960-100 की तिमाही भीसत में 600 अंकों के ऊपर 4 अंक की प्रत्येक वृद्धि अपवा गिरावट के हिसाब से देय होगा।

(2) मंहगाई भत्ता निम्नविवित दरों पर देय होगा:

(1) रु. 2500 तक वेतन का 0.67% और

(2) रु. 2500 से ऊपर परन्तु रु. 4000 तक वेतन का 0.55%, और

(3) रु. 4000 से ऊपर परन्तु रु. 4260 तक वेतन का 0.33%, और

संक्षिप्त शीर्षक एवं प्रारंभ:—

(1) इन विनियमों को पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक (अधिकारी) द्वाव (संशोधन) विनियम 1991 कहा जाएगा।

(2) यह विनियम सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

(4) रु. 4260 से ऊपर बेतन का 0.17%

विनियम 22(2) और विनियम 22(3) के स्पष्टीकरण 1(1) और स्पष्टीकरण 2 निम्नानुसार संशोधित है:—

22(2) 1-1-1990 को और उसके बाद से, यदि किसी अधिकारी को ऐक द्वारा मकान नहीं दिया गया है, तो वह निम्नलिखित दरों पर मकान किराया भत्ता पाने का पात्र होगा:—

स्तम्भ-1

स्तम्भ-2

कार्यस्थल निम्नलिखित स्थानों पर वेतन किराया भत्ता  
होने पर

(1) सरकार के मार्गनिंदेशों के अनु-वेतन का 14 प्रतिशत परन्तु मार समय-समय पर विनियोग प्रधिकतम 450 रु. प्र.मा.  
प्रमुख 'ए' वर्ग के नगर तथा समूह 'ए' के परियोजना क्षेत्र केन्द्र

(2) क्षेत्र-1 में अन्य स्थान तथा क्षेत्र-2 वेतन का 12 प्रतिशत परन्तु प्रधिकतम रु. 375 प्र.मा.

(3) क्षेत्र-2 तथा उपर्युक्त (1) तथा (2) के प्रतिशत न आने वाले वेतन का 10 प्रतिशत परन्तु प्रधिकतम रु. 325 प्र.मा.  
राज्य तथा संघ शासित औद्योगी की राजधानीयां।

(4) क्षेत्र-3 वेतन का 8 प्रतिशत परन्तु प्रधिकतम रु. 300 प्र.मा.

परन्तु यदि कोई अधिकारी किराए की रसीद प्रस्तुत करता है तो उसे देय मकान किराया भत्ता, जिस वेतनमान में वह है उसके प्रथम प्रक्रम के 6 प्रतिशत से ऊपर, उसके द्वारा अपने आवास के लिए दिया गया वास्तविक किराया प्रथम स्तम्भ-2 में उल्लिखित दरों पर, जो भी कम हो, जो अन्यथा देय प्रधिकतम मकान किराया भत्ते का प्रधिक से प्रधिक 175 रु. होगा।

स्पष्टीकरण:—

(1) विनांक 1-4-1990 को या उसके बाद से यदि निवास स्थान बैंक द्वारा किराए पर लिया गया है तो बैंक द्वारा देय संविवात किराया प्रथम ऊपर 'क' में वर्णित गई पद्धति के अनुसार आंका गया किराया, जो भी कम हो।

(2) इस विनियम और विनियम-23 में क्षेत्र-1, क्षेत्र-2 तथा क्षेत्र-3 का अर्थ निम्नानुसार होगा:

अन्तर्गत-1 — 12 साल से प्रधिक जनसंख्या वाले स्थान  
अन्तर्गत-2 — क्षेत्र-1 में न आने वाले ऐसे सभी पश्चात जिनकी जनसंख्या 1 लाख और उससे प्रधिक हो।  
अन्तर्गत-3 — क्षेत्र-1 और क्षेत्र-2 में न आने वाले अन्य सभी स्थान।

विनियम-24 निम्नानुसार संशोधित है:—

विनियम 24

(1) अधिकारी अपने और अपने परिवार के लिए किए गए वास्तविक विकिसा व्यय की निम्नलिखित आधार पर प्रतिपूर्ति के लिए पात्र होगा। अर्थात्:—

(क) चिकित्सा व्यय:—

1-1-90 को और उसके बाद से अधिकारी द्वारा अपने और अपने परिवार के लिए किए गए चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति नीति स्तम्भ-1 में विनियोग प्रतिपूर्ति वेतन सीमा तथा स्तम्भ 2 में विनियोग प्रतिपूर्ति सीमा के अध्ययनधीन की जाएगी। इसके लिए अधिकारी को अपनी और से ही प्रमाणपत्र देना होगा कि उसने यह व्यय किया है और दावा की गई राशि के समर्थन में उसे खर्च का विवरण देना होगा।

सारणी

वेतन सीमा	वार्षिक प्रतिपूर्ति सीमा
1	2
रु. 2100 से रु. 3060 प्रति माह	रु. 750
रु. 3061 प्र. म. और अधिक	रु. 1000

टिप्पणी:— उदयांग में न आई चिकित्सा महायता राशि को अधिकारी मंचित कर सकता है परन्तु नंचित राशि किसी भी अन्य उल्लिखित अधिकतम राशि के तीन गुने से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण:—

इस विनियम के प्रयोजन के लिए अधिकारी के परिवार में उसका पति/उसकी पत्नी, पूर्णतः आश्रित सतान और पूर्णतः आश्रित माला-पिता ही समिल होंगे।

(ख) अस्पताल में भर्ती खर्च:—

(1) विनांक 1-4-1989 को और उसके बाद से ऐसे सभी मामलों में जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता हो, अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकारी के मामले में 90 प्रतिशत तक और उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 60 प्रतिशत तक के खर्च की प्रतिपूर्ति की जाएगी। किए गए खर्च की प्रतिपूर्ति बिल, वाउचर आदि के आधार पर सरकार के मार्गनिंदेशों के अनुसार समय-समय पर निर्धारित सीमा के अन्तर्गत की जाएगी।

(2) अधिकारियों या उनके परिवार के सदस्यों से, यथास्थिति, यह अपेक्षा की जाती है कि वे किसी सरकारी या नगर पालिका अस्पताल में याकिसी निजी अस्पताल (प्रधार्तु किसी न्यास, धर्मार्थ संस्थान या धार्मिक मिशन के प्रबन्धक के अधीन आने वाले अस्पतालों में भर्ती हों, किन्तु अपरिहार्य परिस्थितियों में अधिकारीण या उनके परिवार के सदस्य अथवा दोनों किसी अनुमोदित निजी होम या बैंक द्वारा अनुमोदित अस्पतालों में भर्ती हो सकते हैं किन्तु ऐसे मामलों में प्रतिपूर्ति ऊपर बोग्य अस्पतालों में भर्ती पर प्रतिपूर्ति योग्य राशि तक सीमित रहेगी।

(3) 1-4-1989 को और उसके बाद से मान्यताप्राप्त अस्पताल के प्राधिकारियों और बैंक के चिकित्सा अधिकारी द्वारा घर पर इलाज की आवश्यकता प्रमाणित करने पर निम्नलिखित रोगों के चिकित्सा खर्चों की अधिकारी के मामले में 90 प्रतिशत तक और उसके परिवार के नवजागरों के मामले में 60% तक प्रतिपूर्ति की जाएगी। कैंसर, तपेदिक, पक्षाधात, दूबय रोग, द्र्यमर, चेचक, प्लूरिसी, डिप्टीरिया कुण्ड रोग, गुर्दे की खरबी।

विनियम 33(4) निम्नानुसार मंशोधित है:—

विनियम 33(4) 1-3-1990 को और उसके बाद से, जब तक कि प्रावेशित लूटी नामज़र न पार दी गई हो, विनियोगिकार दूरी, अधिक से अधिक 210 दिनों तक संभित की जाएगी।

दिनांक 1-1-1987 से विनियम 41(4) (न) निम्नानुसार मंशोधित है:—

(न) मर्मी निरीक्षण शाखाओंरियों ने मुख्यालय में बार्योर्ड एवं इयूटी पर विराम के प्रतिदिन के लिए रु. 10 का अनपूरक ईनिक भला दिया जा नक्त है।

हस्ता-

एन.एम. गुरुगल, उप महाप्रबन्धक (कार्यिक)

**PUNJAB & SIND BANK**

(Personnel Department)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd May, 1991

No. PSB|STAFF|OSR|1991.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertaking) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of PUNJAB & SIND BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the PUNJAB & SIND BANK (Officers) Service Regulations 1982.

#### 1. Short Title and Commencement :—

(i) These regulations may be called the Punjab & Sind Bank (Officers) Service (Amendment) Regulations 1991.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

#### REGULATION 21 STANDS AMENDED AS UNDER :—

REG. On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall 21 be as under :—

(i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) base 1960=100.

(ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates :—

(i) 0.67% of 'Pay' upto Rs. 2500 plus,

(ii) 0.55% of 'Pay' above Rs. 2500 to Rs. 4000 plus,

(iii) 0.33% of 'Pay' above Rs. 4000 to Rs. 4260 plus,

(iv) 0.17% of 'Pay' above Rs. 4260.

Regulation 22 (2) and Explanation 1 (b) and Explanation (2) under Regulation 22 (3) stands amended as under :—

REG. On and from 1-1-1990, where an officer is not provided 22(2) any residential accommodation by the bank, he shall be eligible for

house Rent allowance at the following rates :—

#### COLUMN -I

Where the place of work is in

#### COLUMN-II

HRA Payable shall be

(i) Major 'A' class cities specified as such from time to time in accordance with the guidelines of the Govt. & Project Area Centres in Group 'A'

14% of the pay subject to a maximum of Rs. 450/- p.m.

(ii) Other places in Area-I and Project Area Centres in Group 'B'

12% of the pay subject to a maximum of Rs. 375/- p.m.

(iii) Area-II and state capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) Above

10% of the pay subject to a maximum of Rs. 325/- p.m.

(iv) Area-III

8% of the pay subject to a maximum of Rs. 300/- p.m.

Provided that if an officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or at the rates indicated in Column II with a maximum of 175% of the maximum House Rent Allowance payable otherwise, whichever is lower.

#### EXPLANATION :—

With effect from 1-4-1990.

(1b) Where accommodation has been hired by the bank, contractual rent payable by the bank or rent calculated in accordance with the procedure in (a) above, whichever is lower.

(2) In this Regulation and in Regulation 23 Area-I, Area-II, and Area-III shall mean as under :—

Area-I—Places with a population of more than 12 lakhs.

Area-II—All cities other than those included in Area I which have a population of 1 lakh and more.

Area-III—All places not included in Area I and Area II.

#### REGULATION 24 STANDS AMENDED AS UNDER :—

REG. 24 (1) An officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis namely :—

#### (a) MEDICAL EXPENSES :

On and from 1-1-1990 reimbursement of medical expenses of an officer in the pay range specified in Column I of the Table below and his family may be made on the strength of the officer's own certificate of having incurred such expenditure supported by a

statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in Column 2 thereof :

TABLE

Pay Range	Reimbursement limit p.a.
1	2
Rs. 2100/- to Rs. 3060/- p.m.	Rs. 750/-
Rs. 3061/- p.m. and above	Rs. 1000/-

Note :—An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum amount provided above.

#### EXPLANATION :

“FAMILY” of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only.

#### (b) HOSPITALISATION EXPENSES :

- (i) On and from 1-4-1989, hospitalisation charges will be reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation. Reimbursement on the basis of bills, vouchers, etc., of expenses incurred shall be subject to ceilings determined from time to time in accordance with the guidelines of the government.
- (ii) The officers or members of their families (as the case may be) are expected to secure admission in a Government or Municipal Hospital or any private hospital i.e. hospitals under the management of a Trust, Charitable Institution or a religious mission. But

in unavoidable circumstances the officers or their family members or both may avail themselves of the services of one of the approved private nursing homes or private hospitals approved by the bank. Reimbursement in such cases should however, be restricted to the amount which would have been reimbursable in case the patient was admitted to one of the hospitals mentioned above.

- (iii) On and from 1-4-1989, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and Bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 90% in case of an officer and 60% in the case of his family members :—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumor, Small Pox, Pleurosy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment.

#### REGULATIONS 33 (4) STANDS AMENDED AS UNDER :—

REG. On and from 1-1-1990 privilege leave may be accumulated upto 33(4) not more than 240 days except where leave has been applied for and it has been refused.

Regulation 41(4) (f) stands amended w.e.f. 1-1-1987 as under :—

- (f) A supplementary Diem Allowance of Rs. 10 per day of halt outside head quarters on inspection duty may be paid to all inspecting officers.

Sd/-  
N. S. GUJRAL, Dy. Gen. Manager (Personnel)